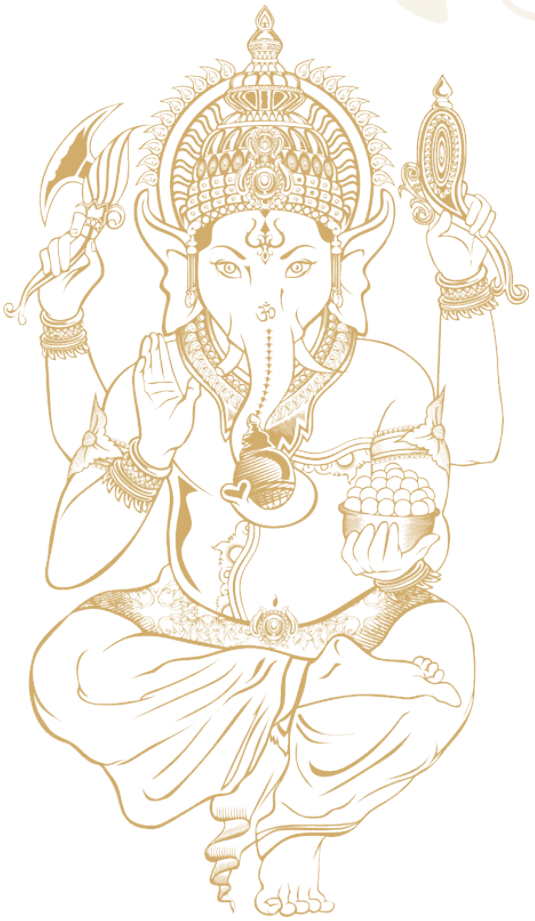

Mr.

02 Sep 1998

04:04 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121605715

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/09/1998**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:04:00 घंटे**
इष्ट	55:12:52 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:43:12 घंटे
वेलान्तर	-00:00:07 घंटे
साम्पातिक काल	02:26:44 घंटे
सूर्योदय	05:58:51 घंटे
सूर्यास्त	18:42:24 घंटे
दिनमान	12:43:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:26:36 सिंह
लग्न के अंश	19:44:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	19:44:36	308:07:19	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	15:26:36	00:58:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	16:56:36	12:58:21	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	13:56:25	00:38:12	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			कर्क	27:24:11	01:08:28	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	01:03:41	00:07:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			सिंह	00:09:18	01:13:58	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:32:10	00:01:46	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:36:55	00:00:58	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:36:55	00:00:58	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:49:00	00:01:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	05:57:18	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:32:14	00:00:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	15:14:11	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:11

लग्न-चलित

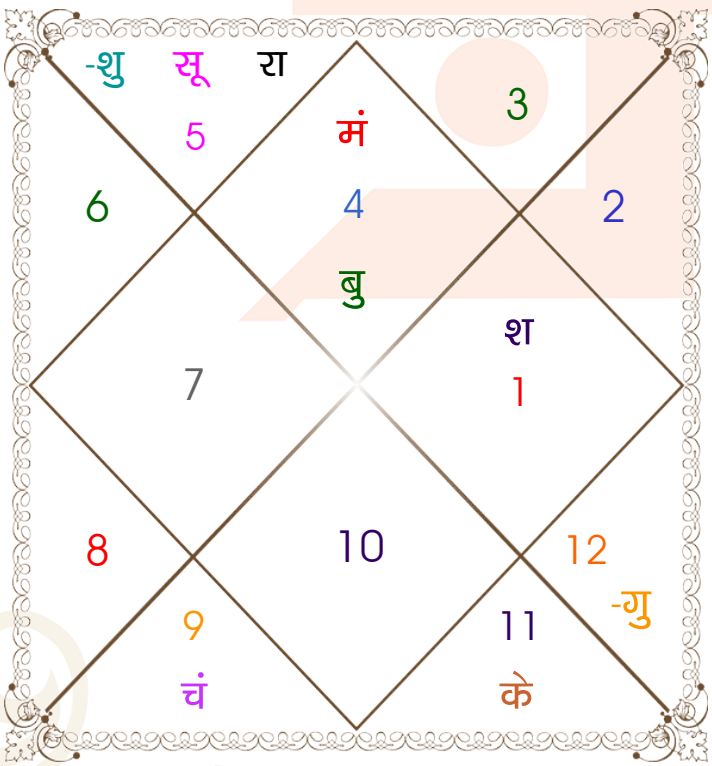

चन्द्र कुंडली

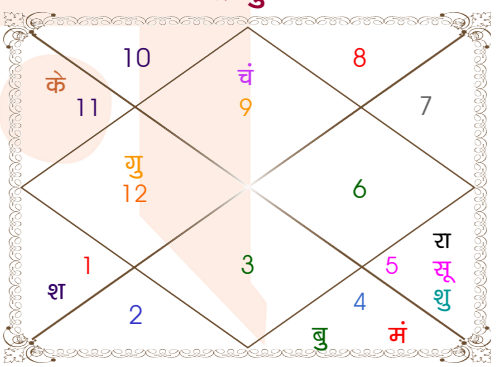

नवमांश कुंडली

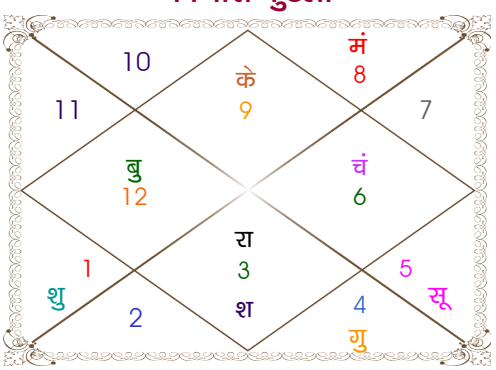

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 7 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/09/1998		03/04/2013		03/04/2019		03/04/2029		03/04/2036	
03/04/2013		03/04/2019		03/04/2029		03/04/2036		03/04/2054	
	00/00/0000	सूर्य	21/07/2013	चंद्र	02/02/2020	मंगल	30/08/2029	राहु	15/12/2038
	02/09/1998	चंद्र	20/01/2014	मंगल	02/09/2020	राहु	18/09/2030	गुरु	09/05/2041
चंद्र	03/04/1999	मंगल	28/05/2014	राहु	04/03/2022	गुरु	24/08/2031	शनि	15/03/2044
मंगल	03/06/2000	राहु	22/04/2015	गुरु	04/07/2023	शनि	02/10/2032	बुध	03/10/2046
राहु	03/06/2003	गुरु	08/02/2016	शनि	01/02/2025	बुध	29/09/2033	केतु	21/10/2047
गुरु	01/02/2006	शनि	20/01/2017	बुध	03/07/2026	केतु	26/02/2034	शुक्र	21/10/2050
शनि	03/04/2009	बुध	26/11/2017	केतु	02/02/2027	शुक्र	28/04/2035	सूर्य	15/09/2051
बुध	02/02/2012	केतु	03/04/2018	शुक्र	02/10/2028	सूर्य	03/09/2035	चंद्र	16/03/2053
केतु	03/04/2013	शुक्र	03/04/2019	सूर्य	03/04/2029	चंद्र	03/04/2036	मंगल	03/04/2054

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/04/2054		03/04/2070		03/04/2089		04/04/2106		04/04/2113	
03/04/2070		03/04/2089		04/04/2106		04/04/2113		00/00/0000	
गुरु	21/05/2056	शनि	06/04/2073	बुध	31/08/2091	केतु	31/08/2106	शुक्र	03/08/2116
शनि	03/12/2058	बुध	15/12/2075	केतु	27/08/2092	शुक्र	31/10/2107	सूर्य	04/08/2117
बुध	10/03/2061	केतु	23/01/2077	शुक्र	28/06/2095	सूर्य	07/03/2108	चंद्र	03/09/2118
केतु	13/02/2062	शुक्र	25/03/2080	सूर्य	03/05/2096	चंद्र	06/10/2108		00/00/0000
शुक्र	14/10/2064	सूर्य	06/03/2081	चंद्र	03/10/2097	मंगल	04/03/2109		00/00/0000
सूर्य	03/08/2065	चंद्र	06/10/2082	मंगल	30/09/2098	राहु	23/03/2110		00/00/0000
चंद्र	03/12/2066	मंगल	15/11/2083	राहु	19/04/2101	गुरु	27/02/2111		00/00/0000
मंगल	09/11/2067	राहु	21/09/2086	गुरु	26/07/2103	शनि	07/04/2112		00/00/0000
राहु	03/04/2070	गुरु	03/04/2089	शनि	04/04/2106	बुध	04/04/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।